# कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, कोटा

## साईट निरीक्षण डायवर्जन प्रस्ताव चम्बल–भीलवाड़ा पेयजल परियोजना दिनांक 17–2–2016

दिनांक 17–2–2016 को अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा अमला स्टाफ नाका श्रीपुरा के साथ चम्बल–भीलवाड़ा पेयजल परियोजना के जवाहर सागर अभ्यारण्य क्षेत्र में पड़ने वाली पाईप लाईन एवं इन्टेक वैल का निरीक्षण किया गया। यूजर एजेन्सी द्वारा वाईल्ड लाईफ क्लीयरेन्स आदेश दिनांक 10–5–2011 से प्राप्त करने के उपरांत भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के पत्रांक संख्या 8बी/राज/08/18/2012 दिनांक 2–12–14 से वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत चित्तोड़गढ़ जनपद की 3.448 है0 वन भूमि का प्रत्यावर्तन किया जा चुका है, जिसमें 2.57 है0 वन भूमि आती है। 878 है0 वन भूमि हेतु उप वन संरक्षक, प्रोटेक्शन एवं नोडल अधिकारी एफ. सी. ए. राजस्थान, जयपुर के पत्रांक एफ 14( )2011/एफसीए/प्रमुवसं/2706–09 दिनांक 21–08–2015 द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना में पुनः प्रस्ताव प्रेषित किये जाने है। भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय (मध्यप्रदेश) लखनऊ के पत्रांक संख्या 8बी/राज/08/41/2015/एफसीए/ 1070 दिनांक 18–12–15 से आलोच्य प्रकरण में प्रस्ताव को आनलाइन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये थे। आवेदित प्रस्ताव का इस कार्यालय के अधीनस्थ उप वन संरक्षक (वन्य जीव) मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान, कोटा के अधीन आने वाले क्षेत्र का निरीक्षण अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा दिनांक 17–2–2016 को पुनः किया गया।

इस कार्यालय के अधीनस्थ उप वन संरक्षक (वन्य जीव) मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान, कोटा के अधीन जवाहर सागर अभ्यारण्य क्षेत्र में इन्टेकवैल का निर्माण करवाया गया है, जो कि ग्राम भैसरोड़गढ़ के राजस्व क्षेत्र में स्थित है तथा इसका कार्य प्रगति पर है। पाईप लाईन इन्टेकवैल भैंसरोडगढ़ से रोड़ के सहारे–सहारे ग्राम श्रीपुरा तक एवं श्रीपुरा से गुर्जर कला ग्राम तक कच्चे रास्ते के सहारे–सहारे कुछ जगह डाली जा चुकी है तथा कुछ जगह कार्य प्र ..ते पर है। पाईप लाईन डालने हेतु पाईप लाईन की चौडाई 5 मीटर में ही ली गयी है लेकिन कुछ जगह पर पत्थर आ गये है। पाईप लाईन का मलबा 10 से 15 मीटर की ऊँचाई में डाला गया है। पाईप लाईन के एरिया में काटे गये कुछ पेड श्रीपुरा नाका पर डाले गये हैं। मौके पर उपस्थित अमला स्टाफ को निर्देश दिये गये कि यूजर एजेन्सी द्वारा मलबा पाईप लाईन खोदने से जो मलबा भरने से शेष पड़ा है के स्थल को समतल करते हुए श्रीपुरा नाके पर डलवाया जावे।

श्रीपुरा नाके पर बनी पक्की दीवार (बाउण्ड्री वाल) जो रोड के सहारे पाईप लाईन डालने हेतु तोड़ी गई है एवं लोहे का गेट जिसको तुरन्त बनवाने के निर्देश दिये गये थे वे अब बन गये है तथा स्वीकृत शुदा दो वाटर पोईन्टों पर पानी देने के निर्देश भी दिये गये।

17/2/2016

(पी0 के0 उपाध्याय)
मुख्य वन संरक्षक,
वन्य जीव, कोटा।